MR. SPEAKER: Now, statements under Rule 377. Shri Chandra Pal Shailani.

12.10 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(ii) CONSTRUCTION OF A SEPERATE MEMORIAL ROOM IN PATNA MUSEUM TO PLACE THE URN OF PANDIT JAWAHARLAL NEHRU.

श्री चन्द्रपाल शैलानी (हाथरस) : अध्यक्ष महोदय, आधुनिक भारत के निर्माता और स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधान मंत्री स्व० पं० जवाहरलाल नेहरू के अस्थिकलशों पर पटना अजायबघर में धूल जमती जा रही है। इसका कारण यह है कि उनको सुरक्षित एवं स्वच्छ रखने के लिये पटना अजायबघर में एक अलग यादगार कमरे की व्यवस्था नहीं की गई है। पिछले वर्ष बिहार सरकार के राज्य शिक्षा मंत्री ने वायदा किया था कि पं० नेहरू के कलशों को सुरक्षित रखने के लिये एक नेहरू यादगार कमरा खोला जायेगा, किन्तु वायदा अब तक वायदा ही बना हुआ है।

12.11 hrs .

[MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair*]

*(Interruptions)***

MR. DEPUTY-SPEAKER: Thank you for representing my case. But nothing will go on record except what Mr. Shailani says.

श्री चन्द्रपाल शैलानी : श्रीमन्, पं० नेहरू हमारे देश के ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के नेता थे और आज उनको उनके महान त्याग एवं कार्यों के लिये संसार के सभी राष्ट्र सम्मान देते हैं और उन्हें एक युग-प्रवर्तक के रूप में याद करते हैं। मुझे यह बताते हुए अत्यन्त हार्दिक वेदना हो रही है कि पं० नेहरू के असंख्य अनुयाइयों में उनके अस्थिकलशों पर धूल जमने और पटना अजायबघर के अधिकारियों द्वारा उनके प्रति लापरवाही बरतने से बहुत ही रोष एवं असंतोष व्याप्त है।

अतः मेरा भारत सरकार से सानुरोध निवेदन है कि वह बिहार सरकार को तुरन्त निदेश देकर भारत के महान सपूत पं० जवाहर लाल नेहरू के अस्थिकलशों को एक सुरक्षित एवं स्वच्छ स्थान पर रखने के लिये शीघ्र से शीघ्र एक अलग यादगार कमरे का निर्माण करावे ताकि उनकी धूल तथा अन्य हानिकारक चीजों से सुरक्षा हो सके।

(ii) NEED FOR LEGISLATION TO CONTROL NOISE POLLUTION.

प्रो० निर्मला कुमारी शक्तावत : (चित्तौड़गढ़) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं सरकार का ध्यान देश में ध्वनि प्रदूषण (नौयज पौल्यूशन) की ओर दिलाना चाहूंगी। आज देश के हर शहर में बढ़ती हुई आबादी, औद्योगीकरण तथा बढ़ते हुए मशीनी यातायात से वायु प्रदूषण के साथ-साथ ध्वनि प्रदूषण भी बढ़ता जा रहा है। वर्ष में 200 दिवस निश्चित रूप से ऐसे होते हैं जब कहीं न कहीं लाउड स्पीकर गर्जना कर रहा होता है। मंदिरों मठों, उपसरों पर रात्रि जागरण के नाम पर माइक के भीषण प्राण घातक कोलाहल ने बेरहमी के साथ विद्यार्थियों की पढ़ाई, लोगों की निद्रा स्वास्थ्य व एकाग्रता को हिला कर रख दिया है। दिन को तो अशांति है ही, बची हुई रात भी अशान्त बना दी जाती है। हर शहर के हजारों प्रजाजन इस भोडी आवाज और स्टीरियो माइक के भीषण कोलाहल से पीड़ित हैं। इस तरह का शोर सौ फीसदी अनावश्यक अप्रासंगिक, असभ्यतापूर्ण, अशिष्टतापूर्ण तथा असहनीय है।

**Not recorded.